TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

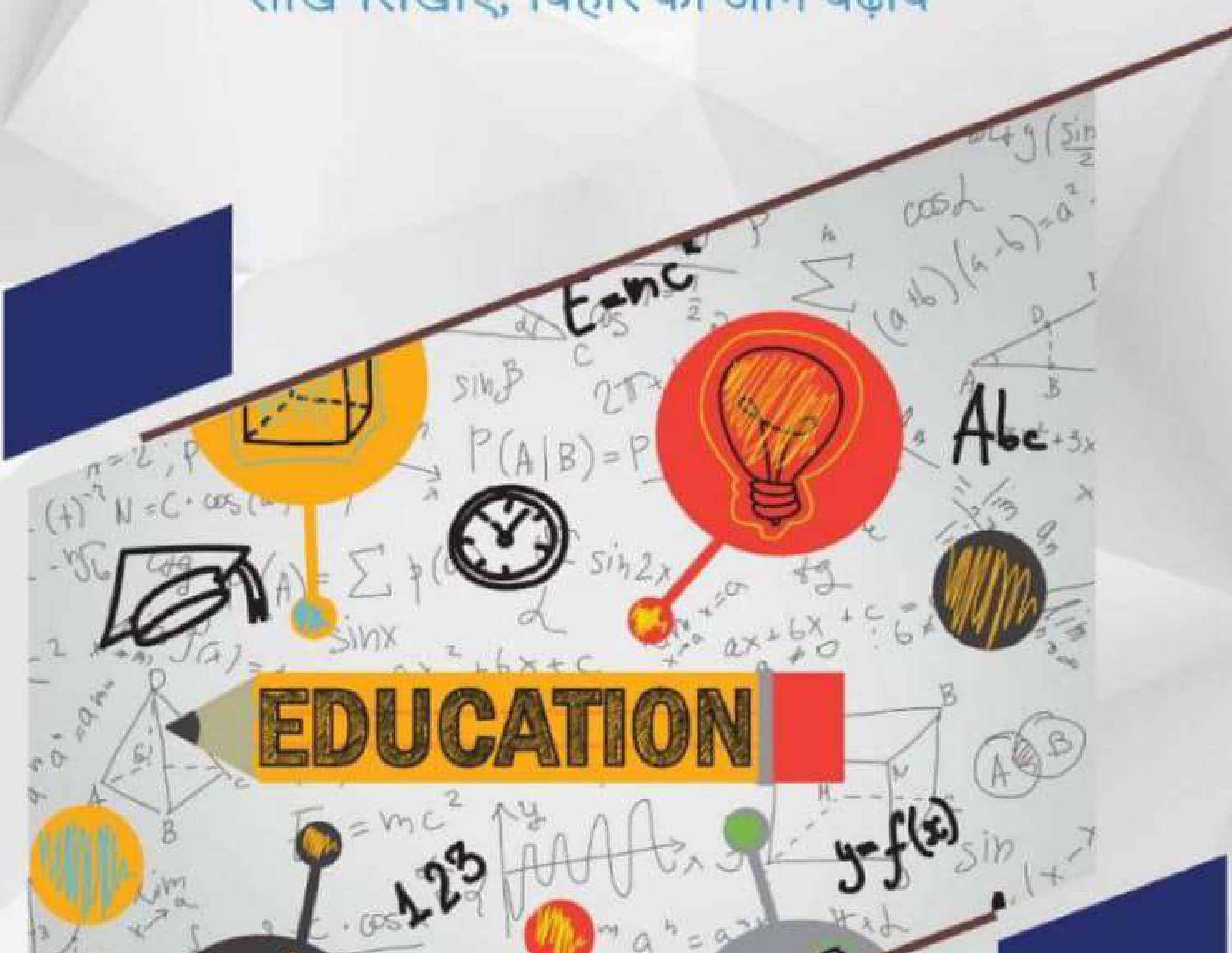

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

25 जून 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सादगी, धैर्य और करुणा ये तीनों ही

आपके सबसे बड़े खजाने हैं।

लाओत्से

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **25.06.2026**

क्रियाप्रसूत अनुबंधन

क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) सीखने का वह सिद्धांत है जिसमें किसी व्यवहार के बाद मिलने वाले पुरस्कार (Reinforcement) या दंड (Punishment) के आधार पर उस व्यवहार की पुनरावृत्ति बढ़ती या घटती है। इस सिद्धांत का प्रतिपादन बी. एफ. स्किनर ने किया था।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

एथलीट **नीरज चोपड़ा** को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा **'बेस्ट मेल एथलीट ऑफ द ईयर'** का खिताब दिया गया। केंद्रीय खेल मंत्री **मनसुख मंडाविया** ने नीरज चोपड़ा को यह पुरस्कार सौंपा।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
आज का ToB क्वीज..
C
भारत में आपातकाल कब लगा था?
👉 10 जून 1975
👉 20 जून 1975
👉 25 जून 1975
👉
www.teacherofbihar.org
संजय कुमार

TOB

खेल कॉर्नर

महिला टी20 वर्ल्ड कप के एक सीजन में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

विकेट	खिलाड़ी	साल
10	पूनम यादव	2020
10	श्री चरणी	2026
9	डायना डेविड	2010
8	पूनम यादव	2014
8	पूनम यादव	2018
8	राधा यादव	2018

www.teachersofbihar.org | राकेश कुमार

25 जून

भारत के इतिहास में महत्वपूर्ण घटनाएँ

★ देश के इतिहास की गौरवशाली झलक ★

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

25 जून की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1975 आपातकाल की घोषणा

25 जून 1975 को भारत में आतरिक आपातकाल लगाया गया। यह निर्णय नागरिक स्वतंत्रता के आधार पर लिया गया था, जिसका देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ा।

काला दिवस

1977 आपातकाल की बरसी – 'काला दिवस'

आपातकाल को वषगांठ 25 जून को अनेक संगठनों द्वारा 'काला दिवस' के रूप में मनाई जातीहै। यह दिन लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है।

2004 भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी का विस्तार

रूस ने भारत के साथ रक्षा, विज्ञान एवं ऊर्जा क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का निर्णय लिया।

2008 उत्तर प्रदेश में स्टाम्प शुल्क में कमी

उत्तर प्रदेश सरकार ने मकान और प्लाट की रजिस्ट्री पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क को 8% से घटाकर 5% कर दिया, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिली।

2017 श्रीकाम्त ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर सीरीज

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने 25 जून 2017 को ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर सीरीज का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया।

25 जून को जन्मे प्रमुख व्यक्तित्व

1903
चन्द्रशेखर पाण्डे
प्रसिद्ध साहित्यकारों में से एक।

1908
सुचेता कृपलानी
महिला भारतीय स्वतंत्रता सेनानी तथा राजनीतिज्ञ।

1924
मदन मोहन
प्रसिद्ध बॉलीवुड फिल्म संगीत निर्देशक।

1931
विश्बनाथ प्रताप सिंह
भारत के आठवें प्रधानमंत्री।

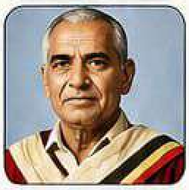

1935
उदय चंद
सेवानिवृत्त भारतीय पहलवान और कुश्ती कोच।

1957
गोपाल प्रसाद दुबे
सरायकेला छछ नृत्य के अग्रणी नर्तक।

★ आज का संदेश ★

"लोकतंत्र की शक्ति जागरूक नागरिकों में निहित होती है। इतिहास हमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों का महत्व भी सिखाता है। आइए, हम एक सशक्त, समृद्ध और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण का संकल्प लें।"

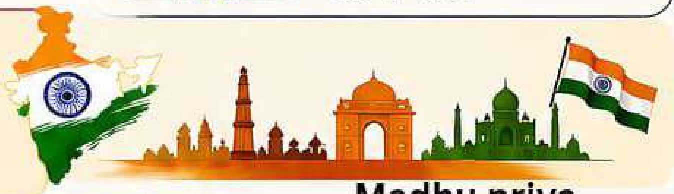

Madhu priya

25 जून से जुड़े अन्य रोचक तथ्य

25 जून को विश्व समुद्री दिवस (World Seafarers Day) भी मनाया जाता है, जो समुद्री कर्मियों के योगदान का सम्मान करता है।

यह दिन भारत में विज्ञान और प्रगति के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कदम आगे बढ़ाता रहा है।

समुद्री यातायात, व्यापार और अर्थव्यवस्था में समुद्री कर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

वीरता, ज्ञान और एकता से ही हमारा भारत महान बनता है।

25 जून – लोकतंत्र, जागरूकता, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का प्रतीक!

Teachers of Bihar
The change makers

भारत के सातवें प्रधानमंत्री

विश्वनाथ प्रताप सिंह

की जयंती पर

शत्-शत् नमन

25 जून 1931

"स्वच्छ राजनीति, सामाजिक न्याय
और ईमानदार नेतृत्व के प्रतीक
विश्वनाथ प्रताप सिंह
को विनम्र श्रद्धांजलि।

- जन्म : 25 जून 1931
- जन्म स्थान : इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- पद : भारत के सातवें प्रधानमंत्री
- कार्यकाल : 2 दिसम्बर 1989 – 10 नवम्बर 1990

उनके जीवन की प्रमुख उपलब्धियाँ

काले धन के खिलाफ ऐतिहासिक अभियान
काले धन और भ्रष्टाचार के खिलाफ उन्होंने पूरी ईमानदारी के साथ संघर्ष किया।

सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक
उन्होंने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू कर सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध अडिग नेतृत्व
उन्होंने सिद्ध किया कि राजनीति में ईमानदारी और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

लोकतंत्र और संविधान के प्रहरी
उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और संविधान की गरिमा बनाए रखने के लिए जीवन भर कार्य किया।

राष्ट्रहित सर्वोपरि
उनका मानना था कि देश और समाज की सेवा ही सच्चे नेतृत्व की पहचान है।

"मेरी लड़ाई किसी व्यक्ति या दल से नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, अन्याय और असमानता के खिलाफ है।"
– विश्वनाथ प्रताप सिंह

जीवन यात्रा

1931	इलाहाबाद (उ.प्र.) में जन्म
1969	राजनीति में सक्रिय प्रवेश
1984	केंद्र सरकार में वित्त मंत्री
1987–89	रक्षा मंत्री
1989	भारत के प्रधानमंत्री बने

ईमानदारी उनकी पहचान थी, राष्ट्रसेवा उनका धर्म था।
ऐसे महान नेता को कोटि-कोटि नमन।

Madhu priya

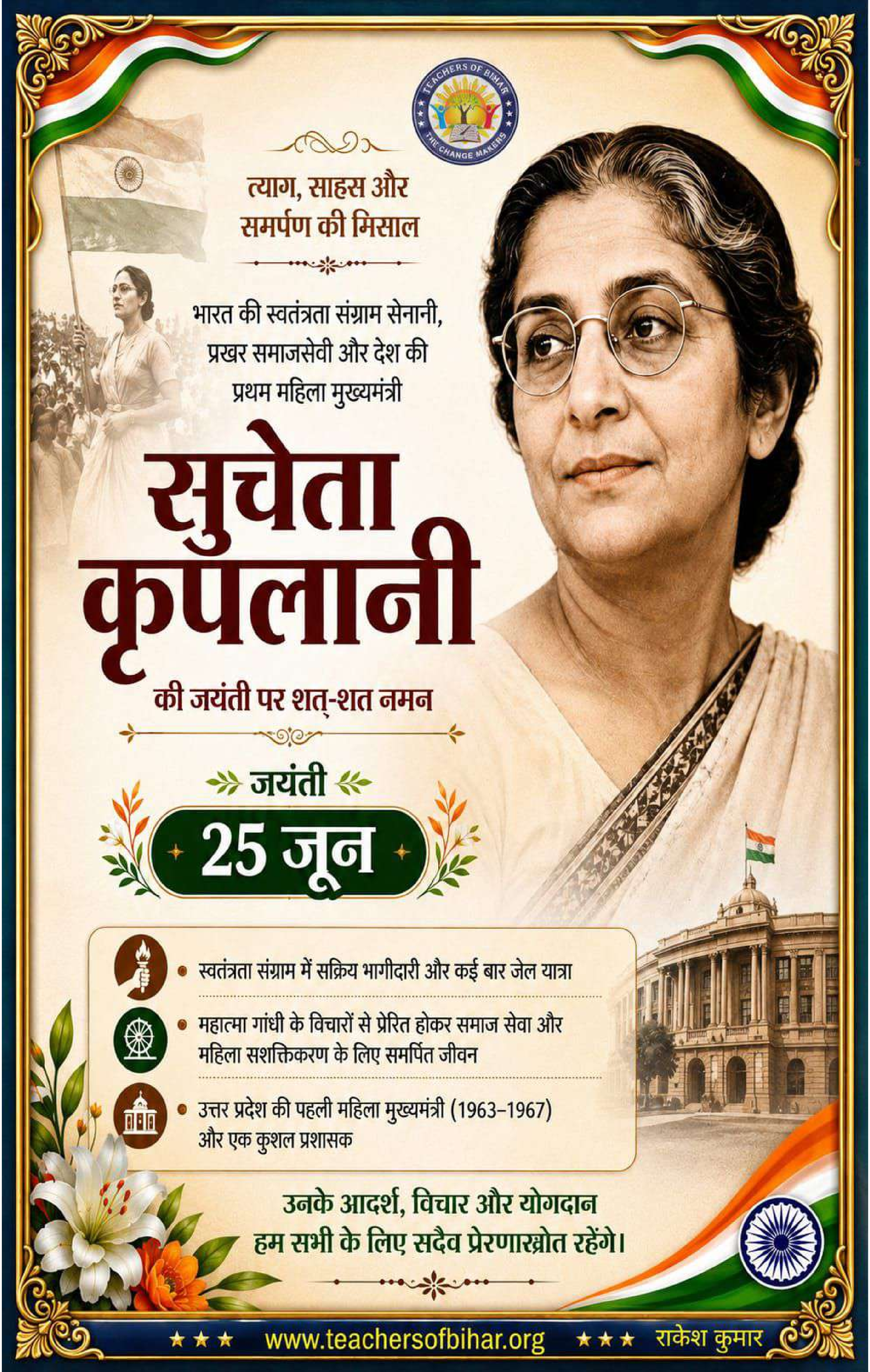
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
त्याग, साहस और
समर्पण की मिसाल
भारत की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,
प्रखर समाजसेवी और देश की
प्रथम महिला मुख्यमंत्री
सुचेता
कृपलानी
की जयंती पर शत्-शत नमन
जयंती
25 जून
स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी और कई बार जेल यात्रा
महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित जीवन
उत्तर प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री (1963–1967) और एक कुशल प्रशासक
उनके आदर्श, विचार और योगदान
हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।
www.teachersofbihar.org
राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

मधु प्रिया

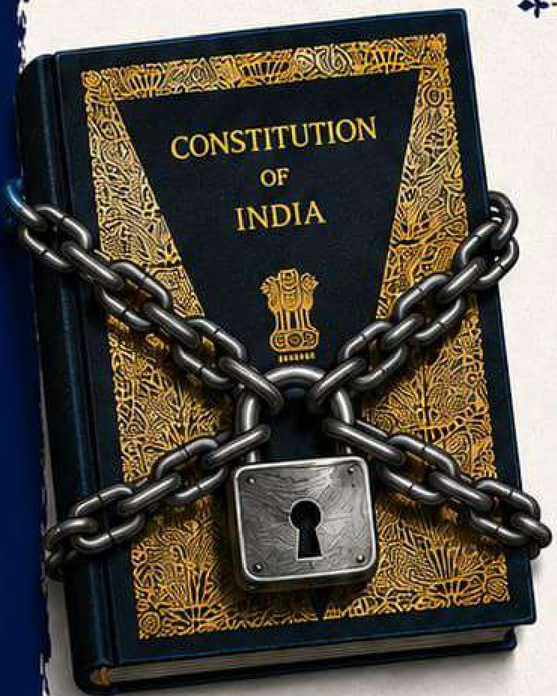

संविधान हत्या दिवस

25 जून 1975

इस दिन भारत में आपातकाल थोप कर हमारे लोकतंत्र, संविधान और **मौलिक अधिकारों** की हत्या की गई थी।

क्या हुआ था?

25 जून 1975 की आधी रात को देश में आपातकाल लागू किया गया।
नागरिकों के मौलिक अधिकारों निलंबित कर दिए गए।
प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई, विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया और लोकतंत्र की आवाज़ को दबा दिया गया।

आपातकाल की प्रमुख विशेषताएँ

- विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी
- प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध
- मौलिक अधिकारों का निलंबन
- जबरदस्ती नसबंदी और दमनकारी नीतियाँ
- न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर अंकुश

"संविधान केवल एक किताब नहीं, यह हमारे **अधिकारों**, **स्वतंत्रता** और **सम्मान** की गारंटी है।"

आइए, हम संकल्प लें

- हम अपने संविधान की रक्षा करेंगे।
- लोकतंत्र, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों को जीवित रखेंगे।
- कभी भी तानाशाही और अत्याचार को स्वीकार नहीं करेंगे।

लोकतंत्र ज़िंदा रहे!
संविधान सुरक्षित रहे!

संविधान हमारी शान
लोकतंत्र हमारी पहचान

याद रखें इतिहास को, ताकि सुरक्षित रहे भविष्य हमारा।